This question paper contains 4 printed pages]

HPAS (Main)—2013

PHILOSOPHY

Paper I

(Problems of Philosophy–A)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 150

Note :— Attempt *Five* questions in all. *All* questions carry equal marks. Question No. 1 is compulsory.

कुल पाँच प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न क्रमांक 1 अनिवार्य है ।

1. Write short notes on any *three* of the following :

(*a*) Saptabhanginaya

(*b*) Multiple soul theory

(*c*) Saptanuppattian

(*d*) Cogito Ergo Sum (I think therefore I am)

P.T.O.

(e) Defence of common sense

(f) Difference between statement and proposition.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) सप्तभंगीनय ।

(ब) पुरुष–बहुत्व का सिद्धांत ।

(स) सप्तानुपपत्तियाँ ।

(द) कॉजिटो इरगो सम । (मैं चिन्तन करता हूँ इसलिए मैं हूँ)

(य) सामान्य बोध संरक्षा ।

(र) कथन और प्रतिज्ञप्ति में भेद ।

2. How has Charvaka proved that perception is the only valid source of knowledge ? Explain.

चार्वाक किस प्रकार यह सिद्ध करते हैं कि प्रत्यक्ष ही ज्ञान का केवल एकमात्र साधन है ? व्याख्या कीजिए ।

3. Critically examine Buddhist theory of Nairtmavada. How has Buddha reconcile Nairtmavada with law of Karma ?

बौद्धों के नैरात्म्यवाद सिद्धांत की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए । बुद्ध किस प्रकार नैरात्म्यवाद की कर्म सिद्धांत के साथ संगति स्थापित करते हैं ?

4. Do you agree with Liebnitz's remark that , 'Monads are windowless' ? Give reasons in favour of your arguments.

क्या आप लाइबनित्स की इस टिप्पणी से सहमत हैं कि, ''चिदणु गवाक्षहीन होते हैं'' ? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए ।

5. On what grounds Hume has rejected the theory of causation ? Critically explain.

ह्यूम किन आधारों पर कारणता-सिद्धान्त का खण्डन करते हैं? आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

6. State and examine Ayer's theory of verification.

एयर के सत्यापनीयता के सिद्धांत की व्याख्या एवं परीक्षा कीजिए ।

7. Explain Husserl's Phenomenology.

हुसर्ल के संवृतिशास्त्र की व्याख्या कीजिए ।

8. Do you think that Vivekananda's concept of Universal religion is the best option for unity of world religions ?

क्या आप यह सोचते हैं कि विवेकानन्द की सार्वभौम धर्म की अवधारणा विश्व धर्म एकता के लिए सर्वोच्च विकल्प है ?